(4)

संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com

दिनांक 10.03.2022

# Discussion on Chhattishgarh Budget 2022-23

## Organished By – Department of Commerce And Economics

## (छत्तीसगढ़ बजट 2022–23 पर चर्चा)

दिनांक 10.03.2022 को कक्ष कमांक 03 में छत्तीसगढ़ आम बजट 2022–23 पर चर्चा आयोजित की गई। चर्चा के इस कार्यकम में संस्था प्रमुख डॉ. एस. पी. अम्बष्ठ, डॉ. ए. के. चंदेल विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र प्रो. जितेन्द्र कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष वाणिज्य संकाय एवं श्री मती अनुराधा दीवान प्राध्यापिका वाणिज्य संकाय ने बजट पर अपने विचार रखें। चर्चा में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टॉफ एवं कार्यालयीन स्टॉफ ने सकिय रूप से अपनी भागीदारी निभाई।

इस कार्यकम में अपने विचार व्यक्त करतें हुए डॉ.ए. के. चंदेल ने कहा कि ''सबे पढ़े सबे बढ़े सबे गढ़े'' के ध्येय वाक्य को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने वर्ष 2022–23 के लिए आम बजट प्रस्तुत किया। इस बजट में शासकीय कमचारियों के लिए पूरानी पेंशन व्यवस्था को लागु किया गया। जो कि कर्मचारियों के हित में लिया गया एक बहुत बड़ा निर्णय है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के मूल निवासी युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा शुल्क में छुट देकर राहत पहुचाई है। स्कुली शिक्षा ,उच्च शिक्षा, एवं शुद्व पेयजल ग्रामीण भूमिहीन मजदूर के साथ ही सभी वर्ग के लोगो के लिए इस बजट में कुछ न कुछ प्रावधान किया गया है।

प्रो. अनुराधा दीवान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा सभी वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए कुछ न कुछ प्रावधान किए गये है। गांव गरीब किसान मजदूर बेरोजगार सभी वर्गो के लिए सरकार अपने खजाना खोल दिया है।

प्रो. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि प्रस्तुत आम बजट छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। किसी प्रकार के नये कर का ना लगाया जाना व्यापार एवं उद्योग के हित में है तथा लोगो के ऊपर अनावश्यक बोझ से राहत है। प्रो. शर्मा ने सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

(डॉ० ए० के० चन्देल)
प्राध्यापक, अर्थशास्त्र

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

# Discussion on Chhattishgarh Budget 2022-23

## (छत्तीसगढ़ बजट 2022–23 पर चर्चा

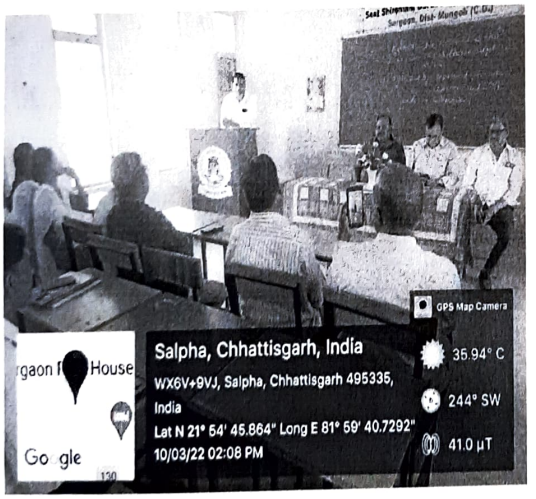

(6)

**Office of The Principal Sant Shiromani Guru Ravidas, Govt college Sargaon, Mungeli(c.g.)**

## One Day Seminar

Topic – COVID-19: With Special Reference to Malthusian population theory

Organised by – Deptt of Economics, Commerce & IQAC

Date – 27th December 2021

## Seminar Report

माल्थस ,जनसंख्या का सिध्दांत देने वाले पहले अर्थशास्त्री थे। उनका जन्म इग्लैण्ड में 1766 में हुई था। मूल रूप में वे पादरी थे। सन् 1798 में उन्होंने एक निबंध लिखा जिसका शीर्षक था "An essay on the principles of population, as it affects the future improvement of the society"। इस निबंध में उन्होंने अपने जनसंख्या सिध्दांत का प्रतिपादन किया ।

माल्थस ने अपने जनसंख्या सिध्दांत में जनसंख्या में ज्यामिती अनुपात (1,2,4,8,16,32) एवं खाद्यान्न में गणितीय अनुपात (1,2,3,4,5,6,7) में वृध्दि की भविष्यवाणी कर जनसंख्या एवं भरण पोषण के साधनों में असंतुलन की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट किया था। इस समस्या के समाधान हेतु उन्होंने मनुष्य को अपनी काम वासना की स्वाभविक प्रवृति पर नियंत्रण रखने की सीख देते हुए देरी से विवाह करना , विवाहोपरान्त संयम पूर्ण जीवन यापन करने की बात कही थी। इसे माल्थस ने मानवीय निरोध की संज्ञा दी थी और चेतावनी देते हुये कहा था कि मनुष्य यदि अपने प्रयासों से जनसंख्या वृध्दि को नियंत्रित नही कर पायेगा तो प्रकृति अपना निरोध लागू करेगी। विश्व में हैजा, महामारी, बाढ़, सूखा कैसे प्राकृतिक प्रकोप किया शील होंगे और प्रकृति जनसंख्या एवं खाद्यान्न में संतुलन स्थापित करेगी लेकिन प्राकृतिक निरोध से मानव समाज को भारी कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कोविड 19 के विश्वथापी प्रभाव एवं जन–जीवन के हर क्षेत्र पर उसके व्यापक असर को देखते हुए क्या ऐसा प्रतीत नही होता कि मनुष्य की प्राकृतिक संसाधनों को बेलगाम भोग करने की कुचेष्टा के कारण प्रकृति ने अपना निरोध प्रस्तुत किया है एवं प्राकृतिक संसाधन (पर्यावरण) के हर अंग (हवा, पानी,पृथ्वी,वनस्पति जगत जीव जगत) को संरक्षित करना शुरू किया है जो कि मनुष्य अपने प्रयासो से नहीं कर पाया है। माल्थस के सिध्दांत में जनसंख्या का संबंध खाद्यान्न के स्थान पर पुरे प्राकृतिक संसाधन को रख कर देखा जा सकता है, कि विश्व की बढ़ती आबादी (विकासशील देशों की ) एवं प्राकृतिक संसाधन के अतिदोहन से उत्पन्न पर्यापरण विनाश ने वैसी स्थिति बना दी है जिसकी आशंका माल्थस ने अपने जनसंख्या सिध्दांत में व्यक्त की थी । जिन प्राकृतिक संसाधनों को हम अक्षुण्य मानते थे आज वो मानवीय जरूरत को पूरा करने में असमर्थ प्रतीत हो रहे है, चाहे बात शुध्द पेय जल की हो या श्वांस लेने योग्य शुध्द हवा की।

क्या माल्थस के जनसंख्या सिध्दांत को, जिसे पूर्व में पूरी तरह से खारीज कर दिया गया था, उसके पुनरावलोकन की आवश्यकता है ?

27.12.2021
(डॉ. आलोक कुमार चन्देल)
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव
जिला–मुंगेली (छ.ग.)

One Day Seminar

महाविद्यालयीन स्तरीय सेमीनार का आयोजन

विभाग – Economics, Commerce And IQAC

विषय – COVID-19: With Special Refernce To Malthusian Population Theory

दिनांक – 27th, December 2021

स्थल – कक्ष क. – 01

प्रतिभागियों की सूची – (Participants)

1. आरती साहू
2. श्वेता जलतारे
3. अमरीका
4. कुसुम माला
5. रिवलेश
6. पूजा राजपूत
7. शशिकला दिवाकर
8. निर्मला
9. हुमेरा खान
10. पूजा साहू
11. सुनील साहू
12. यशवंत राजपूत
13. [illegible]
14. Preetam
15. Manisha
16. Srivya
17. [illegible]
18. Prachi Dange
19. साहिल
20. Chandan Rajput
21. पवन साहू
22. गीतेश कुमार
23. RAHUL Kumar
24. [illegible]
25.
26. Vikash
27. Yaukesh
28. दिव्या बारले
29. Yamuna
30. सविता दिवाकर

Lasmin Dhruw
Yamleshwari Sahu

[illegible signature]

विभागाध्यक्ष

डॉ. ए. के. पाण्डेय
विभागाध्यक्ष
अर्थशास्त्र

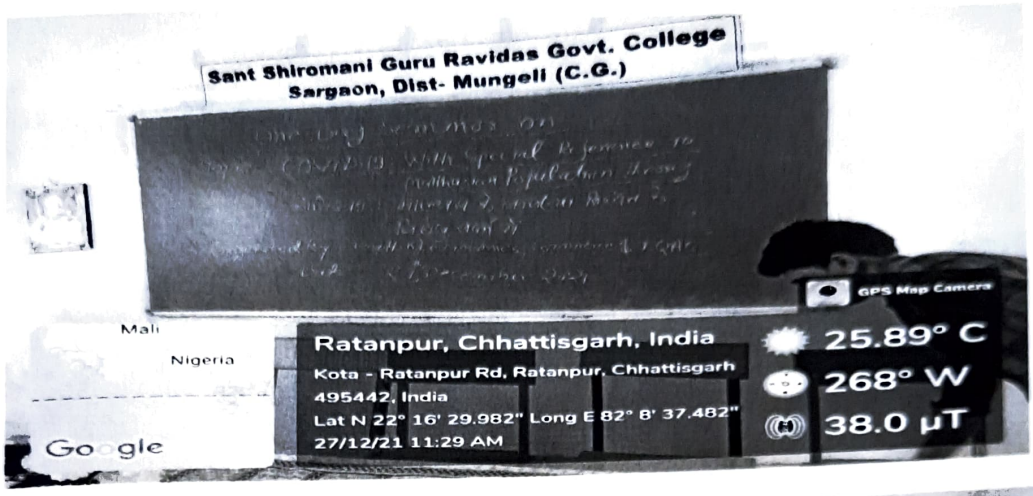
Sant Shiromani Guru Ravidas Govt. College
Sargaon, Dist- Mungeli (C.G.)
Mali
Nigeria
Google
GPS Map Camera
Ratanpur, Chhattisgarh, India
Kota - Ratanpur Rd, Ratanpur, Chhattisgarh
495442, India
Lat N 22° 16' 29.982" Long E 82° 8' 37.482"
27/12/21 11:29 AM
25.89° C
268° W
38.0 µT

OPPO Reno2 F

संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com

दिनांक 24.11.2021

# Career Guidance Program

## Organished By – Department of Commerce , Economics, NSS And IQAC

महाविद्यालय में दिनांक 24.11.2021 को वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं IQAC द्वारा Career Guidance विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में विशेष रूप से जिला रोजगार अधिकारी श्री विष्णु केडिया, संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. पी. अम्बष्ठ, डॉ. एन. के. सिंह एवं डॉ. ए॰ के॰ चन्देल एवं महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

जिला रोजगार अधिकारी द्वारा अपने संबोधन में रोजगार से संबंधित मार्गदर्शन देते हुए कहा कि रोजगार के कई रूप है स्व्यं का व्यवसाय, कही नौकरी करना, कोई पेशा करना, आदि सभी रोजगार के रूप हो सकते है। जरूरी नही है कि व्यक्ति शासकीय सेवा करें वह अपना उद्योग या व्यापार प्रारंभ करके अपने साथ–साथ अन्य लोगो के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। आपने अपने उदबोधन में रोजगार से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की तथा विद्यार्थियों से आहवान किया की आप अपनी योग्यता एवं क्षमता अनुसार कार्य करें और सम्मान के साथ जीवन यापन करें।

संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. पी. अम्बष्ठ ने विद्यार्थियों से कहा कि शासकीय सेवा रोजगार का एक साधन है परंतु इसके अलावा रोजगार के अन्य बहुत सारे विकल्प है जिन्हें अपनाकर हम अपना जिकोपार्जन कर सकते है।

कार्यक्रम के अंत में वाणिज्य संकाय के प्रो. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

(डॉ॰ ए॰ के॰ चन्देल)

Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
(College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com

दिनांक 02.11.2021

# INCOME TAX

## Organished By – Department of Commerce , Economics And IQAC

महाविद्यालय में दिनांक 02.11.2021 को वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं IQAC द्वारा INCOME TAX विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में संस्था के प्राचार्य डॉ. एस. पी. अम्बष्ठ, डॉ. एन. के. सिंह एवं डॉ. आभा त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित थे।

परिचर्चा के दौरान वाणिज्य संकाय के प्रो. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने आयकर से संबंधित प्रावधानों की जानकारी प्रदान की। धारा 80 सी. के अंतर्गत किन–किन छुटों को शामिल किया जाता है तथा छुट की अधिकतम सीमा एक लाख पचास हजार रू. है यह जानकारी प्रदान की तथा उपस्थित प्राध्यापकों के द्वारा आयकर से संबंधित प्रश्नों का जवाब दिया।

प्रो. अनुराधा दीवान ने बताया कि एक नौकरी पेशा व्यक्ति कैसे अधिकतम आयकर में छुट प्राप्त कर सकता है। गृह निर्माण ऋण के ब्याज की अधिकतम छुट की सीमा दो लाख रू. है तथा इसके मूलधन के भुगतान की राशि को धारा 80 सी. के तहत हम छुट प्राप्त कर सकते है।

कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्य संकाय के डॉ. आलोक कुमार चंदेल ने कार्यक्रम में उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

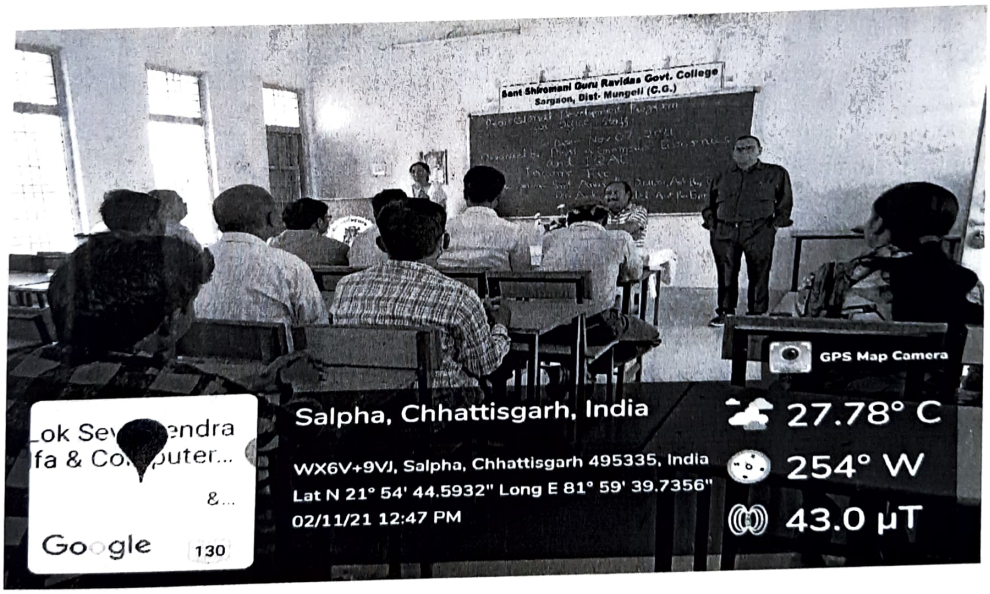


Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

(9)

# कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव
## जिला–मुंगेली (छ.ग.)

महाविद्यालयीन स्तरीय ~~प्रतियोगिता~~ – व्याख्यान :-

विभाग – अर्थशास्त्र विभाग

विषय – करोना काल : आर्थिक विकास के सबक एवं भारतीयता के सूत्र

दिनांक – 5. 10. 2021 CORONA TIME – "Lessons of Economic Development And Thoughts of Indianness"

स्थल – कक्ष क. – 08

प्रतिभागियों की सूची –

1. सुनील साहू — Sunil
2. यशवंत राजपूत — Yash
3. परमेश्वर भारती — Bh
4. रुक्लाल निषाद —
5. विशाल यादव — Vishal
6. संदीप कुमार — Sandeep
7. पूजा राजपूत — पूजा राजपूत
8. रानू साहू — रानू साहू
9. नेहा ठाकुर — Neha
10. दिलेश्वरी साहू — दिलेश्वरी साहू
11. पुनिया बंजारे — पुनिया
12.
13. Nelline — Malla
14. वंदना साहू — आकाश
15. वनीता साहू
16. अंजली साहू
17.
18. विशाल गायकवाड़
19. युवराज यादव
20. Siddharth
21.
22. A Kumar
23. Prasant
24. Dhan
25. Eshwar

**Principal**
**Sant Shiromani Guru Ravidas**
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

विभागाध्यक्ष
डॉ. एल.के. चन्देल
प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग

कार्यालय–प्राचार्य, संत शिरोमणी गुरू रविदास, शासकीय महाविद्यालय, सरगाँव जिला–मुंगेली (छ.ग.)
College Code-2904) www.ssgrgcsargaon.ac.in email- ssgrgovtcollegesargaon @ gmail.com Ph.-07752275777

दिनाँक 5/10/2021

**प्रतिवेदन**

विभाग – अर्थशास्त्र विभाग / कोरोनाकाल : आर्थिक विकास के सबक एवं भारतीयता के सूत्र

दिनाँक 5/10/2021 को अर्थशास्त्र विभाग के संयोजकत्व में उपरोक्त विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कोरोना काल ने हमारी अर्थव्यवस्था के मजबूत एवं कमजोर दोनों कड़ियों को उभारकर हमारे समक्ष रख दिया, यही आर्थिक विकास के सबक हैं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के अनुपम गुणों ने संकट के गंभीर दौर में हमारी अर्थव्यवस्था एवं देश के लोगों को संबल प्रदान किया। व्याख्यान के प्रमुख बिन्दु निम्न हैं-

1. कृषि ने अर्थव्यवस्था को संभाला
2. क्षेत्रवाद एवं प्रान्तवाद को नसीहत (विकसित प्रांतों को कम विकसित प्रांतों के श्रमशक्ति की जरूरत)
3. स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र की महत्ता (चिकित्सक सर्वोपरि)
4. परिवहन एवं संचार साधनों की अहमियत
5. सूचना प्रौद्योगिकी ने संभाला मोर्चा (स्वास्थ्य एवं चिकित्सा तथा शिक्षा क्षेत्र को संभाला)
6. भारतीय रेल – देश की धड़कन
7. पश्चिमी सभ्यता की खुली पोल (कोरोना पाबंदियों के विरोध गुस्सा)
8. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की विश्वव्यापी गूंज (योग, लोक प्रचलित (रसोई में उपयोग होने वाले मसाले) दवा)

[signature]
Principal
Sant Shiromani Guru Ravidas
Govt. College, Sargaon
Distt. Mungeli (C.G.)

[signature]
विभागाध्यक्ष
डॉ. आलोक कुमार पटेल

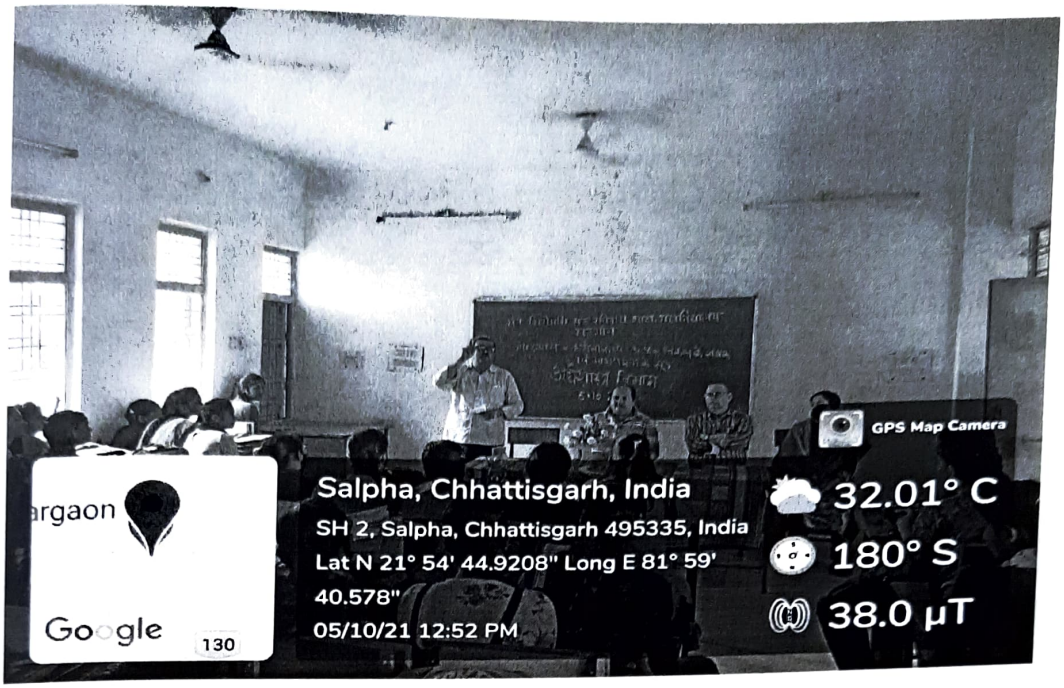
GPS Map Camera
Salpha, Chhattisgarh, India
SH 2, Salpha, Chhattisgarh 495335, India
Lat N 21° 54' 44.9208" Long E 81° 59' 40.578"
05/10/21 12:52 PM
32.01° C
180° S
38.0 µT
Google
130

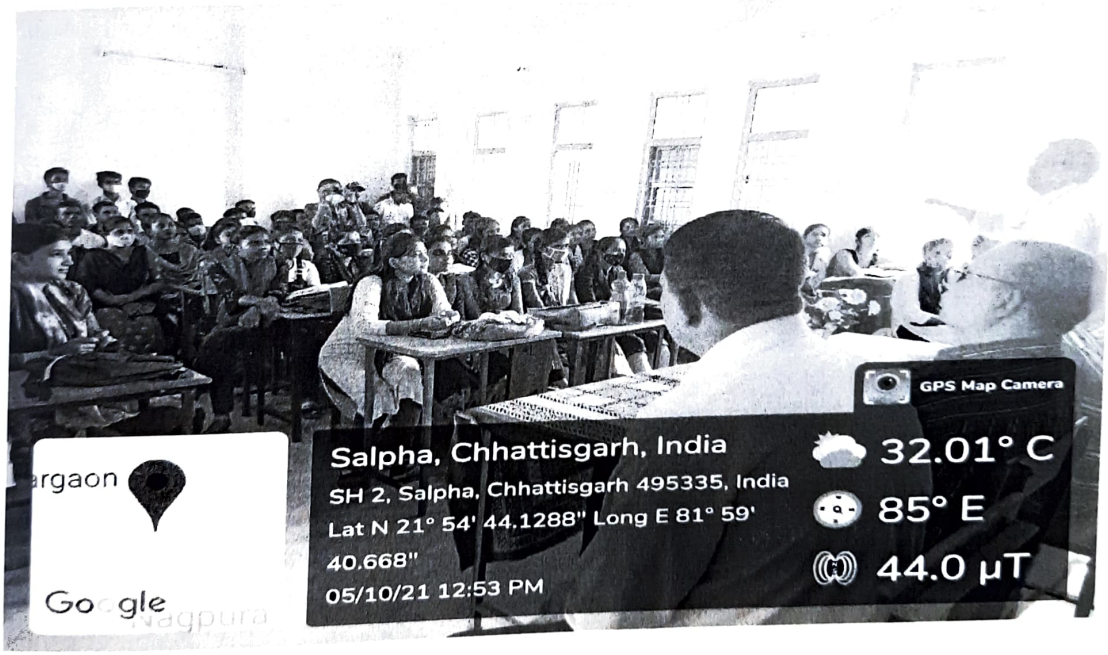
GPS Map Camera
Salpha, Chhattisgarh, India
SH 2, Salpha, Chhattisgarh 495335, India
Lat N 21° 54' 44.1288" Long E 81° 59' 40.668"
05/10/21 12:53 PM
32.01° C
85° E
44.0 µT
Google